

41-8

वित्तीय स्वीकृति/आयोजनागत
संख्या:- /XVII-3/2012-09(18)/2011

प्रेषक,

डॉ० रणबीर सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास
देहरादून, उत्तराखण्ड।

समाज (सैनिक) कल्याण अनुभाग-3

देहरादून

दिनांक 21 मार्च, 2012

विषय: वित्तीय वर्ष 2011-12 में सैनिक कल्याण विभाग के आयोजनागत पक्ष के 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद में पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, आपके पत्रांक संख्या:-2002/सै.क./ (4)पुनर्विनियोग प्रस्ताव/11-12/ दिनांक 28 फरवरी, 2012 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2011-12 में सैनिक कल्याण विभाग के आयोजनागत पक्ष के 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता में संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्र के अनुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से ₹ 1,80,000/- (₹ एक लाख अस्सी हजार मात्र) की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन पुनर्विनियोग के माध्यम से व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
2. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल अनुसार शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति, यदि आवश्यक हो तो, ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
3. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।
4. अपर्युक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अंतर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध करना सुनिश्चित किया जाए।
6. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।

7. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अंतर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
8. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के "आयोजनागत पक्ष" के लेखाशीर्षक 2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण-60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम-200-अन्य कार्यक्रम-03-सैनिक कल्याण की विभिन्न मदों में संलग्न प्रारूप के कॉलम-5 के सुसंगत मानक मद के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न प्रारूप बी0एम0-15 के पुनर्विनियोग कॉलम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या:-418(P)/XXVII(3)/2011-12, दिनांक 19 मार्च, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीय,

(डॉ० रणबीर सिंह)
प्रमुख सचिव।

गुप्तांकन संख्या:- 186 /XVII-3/2012-09(18)/2011 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. प्रमुख सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
9. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
- ✓ 10. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(डॉ० रणबीर सिंह)
प्रमुख सचिव।

वित्तीय वर्ष 2011-12

प्र० विभाग- सौ०क० विभाग

नियंत्रक अधिकारी-प्रमुख सचिव, सैनिक कल्याण, उत्तराखण्ड शासन।					(धनराशि हजार रुपये में)		
बजट प्राधिकारित लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार आद्याधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस धनराशि)	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित की जानी है	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-6 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद कॉलम-1 में अवशेष धनराशि (1-6)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुदान संख्या-015				अनुदान संख्या-015			
2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण, आयोजनागत, 60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम, 200-अन्य कार्यक्रम, 03-सैनिक कल्याण, 0301-सैनिक मुख्यालय				2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण, आयोजनागत, 60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम, 200-अन्य कार्यक्रम, 03-सैनिक कल्याण, 0301-सैनिक मुख्यालय			
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	3000	400	0	2600	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	180	4380
	3000	400	0	2600		180	4380
						2820	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150,151,155, में उल्लिखित प्राधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है।

(बी० एन० सिंह)

प्रमुख सचिव, सैनिक कल्याण विभाग
उत्तराखण्ड शासन।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु-03

संख्या 418(P)/XXVII(3)/2011-12

देहरादून 19 मार्च, 2012

सेवा में,

महालेखाकार,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

पृष्ठांकन संख्या:- 126/XVII-3/12-09(18)/11

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निदेशक, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. परित्त कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
4. आदेश पंजिका।

पुनर्विनियोग, स्वीकृत

(रमेश चन्द्र अग्रवाल)

अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।

(बी० एन० सिंह)

प्रमुख सचिव, सैनिक कल्याण विभाग,
उत्तराखण्ड शासन।